आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 03.09.2026 समय : 0705

<><><><><><><><>

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भविष्य में पानी की जरूरतों के प्रति शहरी स्थानीय निकायों को संवेदनशील बनाने का आह्वान किया है।
- 'जेम्स ऑफ इंडिया चैलेंज 2026' के तहत पायलट सबमिशन विंडो को अब 30 सितंबर तक बढ़ा दिया गया है।
- पशु चिकित्सा सेवा विभाग की ओर से 'कुक्कुट क्षेत्र में रोगों की रोकथाम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- समग्र शिक्षा के तहत 'विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए भाषा प्रयोगशाला' पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल नई दिल्ली में जल शक्ति मंत्रालय के विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र में शामिल हुए। उन्होंने शहरीकरण से उत्पन्न चुनौतियों, बढ़ती आबादी और भविष्य में पानी की जरूरतों के प्रति शहरी स्थानीय निकायों को संवेदनशील बनाने का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री ने शहरी स्थानीय निकायों के लिए भी इसी तरह के चिंतन शिविर आयोजित करने का सुझाव दिया। दो दिन का यह सम्मेलन प्रधानमंत्री की परिकल्पना के अनुरूप विभागीय शिखर सम्मेलनों की श्रृंखला का पहला सम्मेलन था। इसका उद्देश्य देश की टीम भावना को मजबूत करना, सहकारी संघवाद को प्रगाढ बनाना और केंद्र तथा राज्यों के बीच घनिष्ठ सहयोग के माध्यम से राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के सामूहिक स्वामित्व को बढ़ावा देना था। इस पहल ने महत्वपूर्ण क्षेत्रीय प्राथमिकताओं पर संयुक्त रूप से विचार–विमर्श करने और कार्यान्वयन तथा परिणामों में तेजी लाने के लिए मंच प्रदान किया।

<><><><><><><><>

द्वीपों के उपराज्यपाल सेवानिवृत्त एडमिरल डी.के. जोशी, ने कल दूसरे दिन नई दिल्ली में 'जल संरक्षण और सुरक्षा पर विभागीय शिखर सम्मेलन' में भाग लिया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए टिकाऊ जल प्रबंधन तथा जल सुरक्षा के लिए अपने दृष्टिकोण को साझा किया ।

<><><><><><><>

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की एक राष्ट्रीय पहल 'जेम्स ऑफ इंडिया चैलेंज 2026' ने नागरिकों–विशेष रूप से युवाओं और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स को एक राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने–अपने जिलों की संस्कृति, विरासत, पर्यटन क्षमता, परंपराओं, व्यंजनों, कला और प्रेरणादायक स्थानीय कहानियों को प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया है। यह चैलेंज प्रसार भारती के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। यह पहल पायलट चरण के तहत छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू की जा रही है, जिसमें अंडमान निकोबार द्वीप समूह, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव, गोवा और लद्दाख शामिल हैं। इसके तहत पायलट सबमिशन विंडो, को अब 30 सितंबर तक बढ़ा दिया गया है। इच्छुक प्रतिभागी WAVES OTT प्लेटफॉर्म के MyWAVES सेक्शन पर अपनी प्रविष्टियां जमा कर सकते हैं। सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय ने द्वीपों के उभरते रचनाकारों, युवाओं, छात्रों, पर्यटन प्रेमियों और नागरिकों से इस अवसर का लाभ उठाने और 'जेम्स ऑफ इंडिया चैलेंज' में भाग लेने की अपील की है।

<><><><><><><>

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन–इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने कहा है कि पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस–05 का प्रक्षेपण कल किया जाएगा। उपग्रह को जीएसएलवी–एफ17 रॉकेट के जरिए सुबह 2 बजकर पचपन मिनट पर श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा। श्री नारायणन ने कहा कि ईओएस–05 अत्याधुनिक पृथ्वी अवलोकन अंतरिक्ष यान है और यह भू–समकालिक कक्षा में स्थापित किया जाने वाला भारत का पहला इमेजिंग उपग्रह है।

उन्होंने कहा कि यह अभियान भारत की पृथ्वी अवलोकन क्षमताओं को मजबूत बनाएगा और इससे पृथ्वी अवलोकन सेवाओं में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में प्रक्षेपण की सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं।

<><><><><><><>

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने यूटीआत्मा के तहत वंडूर ग्राम पंचायत में 'कुक्कुट क्षेत्र में रोगों की रोकथाम और नियंत्रण में टीकाकरण का महत्व' पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर क्यारी और कृषि विज्ञान केंद्र के विषय विशेषज्ञों और वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारियों ने तकनीकी सत्र के दौरान किसानों को टीकाकरण, प्रमुख पोल्ट्री बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण, वैज्ञानिक स्वास्थ्य प्रबंधन, जैव सुरक्षा, स्वच्छता और सामान्य झुंड प्रबंधन पर जानकारी दी। कार्यक्रम में किसान–विशेषज्ञ संवाद सत्र भी आयोजित कर पोल्ट्री स्वास्थ्य और बीमारी की रोकथाम से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान वंडूर ग्राम पंचायत प्रधान अधीर दास ने किसानों को वैज्ञानिक मुर्गीपालन प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

<><><><><><><>

उधर, पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग ने मवेशियों के प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार के लिए द्वीपों में आयोजित किए जा रहे बांझपन शिविरों की श्रृंखला के तहत हाल ही में राजीव नगर में शिविर का आयोजन किया। शिविर के दौरान, पशुओं को पेट के कीड़ों की दवा दी गई और पोषण संबंधी कमियों को दूर करने के लिए मिनरल मिक्सचर सप्लीमेंट प्रदान किया गया। विशेषज्ञों ने पशुपालकों को बेहतर प्रजनन स्वास्थ्य और उत्पादकता के लिए मवेशियों के वैज्ञानिक पोषण प्रबंधन की जानकारी दी।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार प्रदेश कांग्रेस समिति के अभियान समिति के अध्यक्ष टीएसजी भास्कर ने द्वीपसमूह के दौरे पर आए आवास और शहरी मामलों की संसदीय स्थायी समिति के सदस्यों को एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में उन्होंने द्वीपसमूह के लिए हवाई किराए में अप्रत्याशित वृद्धि और उड़ानों की संख्या में की गई कटौती पर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि किराए में वृद्धि होने से इलाज के लिए यात्रा करने वाले गरीब मरीजों, छात्रों, पर्यटकों, व्यवसायों और ई–कॉमर्स क्षेत्र गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। उन्होंने संसदीय स्थायी समिति के सदस्यों से इस मुद्दे को नागरिक उड्डयन मंत्री के समक्ष और संसद में उठाने का आग्रह किया।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार प्रदेश कांग्रेस समिति अध्यक्ष रंगलाल हलधर ने स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के निदेशक से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, रंगत में खराब पड़ी रक्त जांच मशीनरी की तत्काल मरम्मत और रखरखाव के लिए कार्रवाई करने का आग्रह किया है। श्री हलधर ने कहा कि रक्त जांच मशीनरी और संबंधित नैदानिक सुविधा काफी समय से बंद पड़ी है, जिससे मरीजों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। पार्टी अध्यक्ष ने स्वास्थ्य विभाग से यह भी अपील की कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, रंगत और द्वीपसमूह के अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में नैदानिक उपकरणों के नियमित रखरखाव और निगरानी की एक प्रणाली स्थापित की जाए, ताकि जनता को आवश्यक नैदानिक सेवाएं लगातार उपलब्ध होती रहें।

<><><><><><><>

समग्र शिक्षा के तहत खंड परियोजना कार्यालय, डिगलीपुर की ओर से कल 'विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए भाषा प्रयोगशाला' पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व–प्राथमिक शिक्षकों, अभिभावकों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, देखभाल करने वालों, सहायकों और अन्य हितधारकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को भाषा प्रयोगशाला के प्रभावी उपयोग और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की शैक्षणिक, डिजिटल, मनोरंजक, नेतृत्व, भाषाई व समग्र विकासात्मक आवश्यकताओं को पूरा करने की जानकारी दी गई।

<><><><><><><>

कर्मचारी चयन आयोग की ओर से कंबाइंड हिंदी ट्रांसलेटर परीक्षा और स्टेनोग्राफर ग्रेड 'सी' तथा 'डी' परीक्षा का आयोजन आठ सितंबर से बारह सितंबर तक किया जाएगा। परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के ई–प्रवेश पत्र निर्धारित परीक्षा तिथि से पहले आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

<><><><><><><>